वर्धमान महावीर खुला विश्वद्यिालय, कोटा

दिनांक 21 मार्च, 2022 को आयोजित आयोजना मण्डल की 17 वीं बैठक का कार्यवाही विवरण

दिनांक 21 मार्च, 2022 को पूर्वान्ह 11:15 बजे क्षेत्रीय केन्द्र, जयपुर में आयोजना मण्डल की 17 वीं बैठक आयोजित की गई। बैठक में निम्न अधिकारीगण उपस्थित थे।

1. प्रो0 रतनलाल गोदारा कुलपति व.म.खु.वि, कोटा	–	अध्यक्ष
2. प्रो0 आर0 सी0 कुहाड़ प्रो चांसलर, एस.जी.टी. विश्वविद्यालय, गुड़गांव	–	सदस्य
3. प्रो. बी. अरूण कुमार निदेशक, अकादमिक, योजना एवं विकास	–	सदस्य
4. महेश चंद मीना नियंत्रक वित्त एवं कार्यवाहक कुलसचिव	–	सदस्य सचिव

प्रो.जी.एस.संधु, श्री वीनू मेहता, शासन सचिव (उच्च शिक्षा) एवं शासन सचिव (आयोजना) बैठक में भाग नहीं ले सके।

सर्वप्रथम माननीय कुलपति महोदय ने सभी उपस्थित सदस्यों का स्वागत एवं अभिनंदन किया। अपना अमूल्य समय निकालकर बैठक में पधारने हेतु शिक्षाविद प्रो0आर0सी0 कुहाड. का विशेष आभार व्यक्त किया । पिछली आयोजना मंडल की बैठक में भी प्रो0आर0सी0 कुहाड़ द्वारा प्रदान किए गए अमूल्य सुझावों की माननीय कुलपति महोदय द्वारा सराहना की गई। कुलसचिव श्री महेश चंद मीना का भी बैठक में स्वागत किया गया ।

साथ ही माननीय कुलपति महोदय ने बैठक आयोजित करने हेतु जिन अधिकारियों एवं कार्मिकों का प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग प्राप्त हुआ है, उन सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद प्रेषित किया।

माननीय कुलपति महोदय से अनुमति प्राप्त कर कुलसचिव महोदय ने बैठक का बिन्दुवार कार्यसूची विवरण प्रस्तुत किया एवं विस्तृत चर्चा के पश्चात निम्न निर्णय लिए गए:–

17/01 आयोजना मंडल की 16 वीं बैठक दिनांक 20 जुलाई 2020 के कार्यवाही विवरण का अनुमोदन प्रस्ताव।

कार्यवाही विवरण पर तम्समय किसी भी सदस्य की टिप्पणी प्राप्त न होने से आयोजना मंडल की 16 वीं बैठक दिनांक 20 जुलाई 2020 के कार्यवाही विवरण का अनुमोदन किया गया। प्रब्रध मंडल की 100वीं बैठक में आयोजना मंडल की 16वीं बैठक की कार्यवाही विवरण को अनुमोदित किया जा चुका हैं।

17/02 आयोजना मंडल की 16 वीं बैठक दिनांक 20 जुलाई 2020 में लिए गए निर्णयों का अनुपालना प्रतिवेदन पुष्टि प्रस्ताव।

अनुपालना प्रतिवेदन का सदन द्वारा अवलोकन किया गया जिसके अनुसार संविधान पार्क के निर्माण हेतु क्रियान्वयन एजेंसी CPWD को 10% राशि प्रदान की जा चुकी है तथा एजेंसी द्वारा निविदा कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। माननीय कुलपति महोदय ने संविधान पार्क का निमार्ण कार्य शीघ्र प्रारम्भ करवाने एवं कार्य प्रगति की प्रभावी मॉनिटरिंग करने के निर्देश प्रदान किये।

तत्पश्चात् अनुपालना प्रतिवेदन की पुष्टि करते हुए उसका अनुमोदन किया गया ।

17/03 विश्वविद्यालय परिसर में सर्व–धर्म पार्क विकसित करने का प्रस्ताव।

कैम्पस टू कम्युनिटी कनेक्ट के तहत विश्वविद्यालय परिसर में सर्व–धर्म पार्क विकसित करने के प्रस्ताव पर विस्तृत चर्चा की गई। सर्व–धर्म पार्क की जगह उसका नया नाम सर्व–धर्म समभाव परिकर, सर्व–धर्म वाटिका, "सर्व–धर्म उपवन" आदि नामों पर चर्चा के पश्चात् **"सर्व–धर्म उपवन"** के नाम पर सहमति व्यक्त की गई।

उक्त प्रस्तावित कार्य की अनुमानित लागत लगभग रू 1.00 लाख होगी एवं इसका व्यय वित्तीय वर्ष 2022–23 में भवन निधि मद से किया जायेगा। कार्य करवाने हेतु सदन द्वारा सहमति व्यक्त की गई।

17/4 : विश्वविद्यालय के ईएमपीसी विभाग में स्थित सर्वर की स्टोरेज बढ़वाने हेतु एवं अन्य नेटवर्किंग उपकरण क्रय करने हेतु योजना बोर्ड की बैठक हेतु प्रस्ताव ।

प्रवेश नामांकन में छात्र संख्या में बढ़ोतरी को देखते हुए विश्वविद्यालय के ईएमपीसी विभाग में स्थित सर्वर की स्टोरेज क्षमता को बढ़वाने एवं आवश्यक नेटवर्किंग उपकरण क्रय करने की कार्यवाही नियमानुसार निविदा प्रक्रिया के माध्यम से की जायेगी जिसका अनुमानित व्यय रू. 40.00 लाख होगा। कार्य करवाने बाबत सदन द्वारा सहमति व्यक्त की गई।

इसी क्रम में प्रो. कुहाड का मत था कि वर्तमान समय डिजिटल युग का है। विश्वविद्यालय के महत्वपूर्ण रिकार्डो को डिजिटलाइजड करने एवं ऑनलाईन माध्यम से विश्वविद्यालय के कार्यों को और अधिक सुदृढ़, एवं प्रभावी बनाने पर जोर दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को ऑनलाईन पाठ्यक्रम उपलब्ध करवाने, पुस्तकालय में ई–रिसोर्सेज जनरेट करने, सेमेस्टर सिस्टम लागू करने और ऑनलाईन परीक्षाएं करवाने पर जोर देते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के आलोक में पाठ्यक्रमों को अपग्रेड तथा पुर्ननिर्माण (re-design) करने पर बल दिया। प्रो. कुहाड की उपर्युक्त सभी अभिमत पर समस्त उपस्थित सदस्यों ने सहमति व्यक्त की।

17/05: उच्च क्षमता एवं तीव्र प्रोसेसिंग गति के कम्प्यूटर सिस्टम से विश्वविद्यालय के विभिन्न क्षेत्रीय केन्द्रों को तकनीकी रूप से अपग्रेड करने हेतु प्रस्ताव।

विश्वविद्यालय में स्थापित कम्प्यूटर अत्यंत पुराने होने से सिस्टम्स में प्रायः खराबी आती रहती है। प्रवेश की अंतिम तिथि के आस–पास अत्यधिक दबाव होने से प्रवेश प्रक्रिया भी बाधित होती है।

माननीय सदस्य प्रो0 आर0सी0 कुहाड़ का मत था कि विश्वविद्यालय का कम्प्यूटर सिस्टम/तकनीकी सिस्टम अपग्रेड होना चाहिए। अतः वर्तमान में उपलब्ध कम्प्यूटर सिस्टम में से खराब सिस्टम्स के संबंध में वस्तुस्थिति रिपोर्ट ली जाकर औचित्य निर्धारण कर निविदा के माध्यम से कार्य करवाने पर सहमति व्यक्त की गई, जिसका अनुमानित व्यय लगभग रू. 25.00 लाख होगा।

अध्यक्ष महोदय के धन्यवाद के साथ बैठक सम्पन्न हुई।

(महेश चंद मीना)
कुलसचिव एवं
सदस्य सचिव, आयोजना मंडल